

पाठ योजना

विषय संस्कृतम्

कक्षा बीए तृतीय वर्ष

पंचम सेमेस्टर B23-SKT-501

सत्र 2025- 26

वैदिकसाहित्यपरिचयः नाटकम् एवं व्याकरणम्

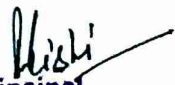
अध्यापक का नामः - डॉ सुखबीर सिंह

मास	पाठ्यक्रम
जुलाई (22 -31) 2025	महाकवि कालिदास विरचित अभिज्ञानशाकुंतलम् नाटक का प्रथम अंक। पाठ्यांश की सप्रसंग व्याख्या सूक्ति व्याख्या अंकसार आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर)
अगस्त (01-14) 2025	द्वितीय अंक। पाठ्यांश की सप्रसंग व्याख्या सूक्ति व्याख्या अंकसार आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर)
अगस्त (18-30) 2025	तृतीय अंक। पाठ्यांश की सप्रसंग व्याख्या सूक्ति व्याख्या अंकसार आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर)
सितंबर (1-15)2025	चतुर्थ अंक। पाठ्यांश की सप्रसंग व्याख्या सूक्ति व्याख्या अंकसार आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर)
सितंबर(16-30) 2025	कक्षा परीक्षा कालिदास जीवन परिचय काल विवेचन काव्य शैली नाट्य शैली

मास	पाठ्यक्रम
अक्टूबर (01-04)2025	मिड टर्म एग्जाम
अक्टूबर (6-18)2025	संस्कृत साहित्य का इतिहास वैदिक साहित्य संहिता ब्राह्मण आरण्यक उपनिषद वेदांग साहित्य
19-10-2025 से 26-10-2025	अवकाश
अक्टूबर (27-31)2025	लघुसिद्धांतकौमुदी विभक्त्यर्थ प्रकरण सूत्रव्याख्या वाक्य रचना अशुद्धि संशोधन प्रयोजना कार्य(असाइनमेंट) अलंकार
नवंबर(1-15)2025	अनुप्रास श्लेष यमक उपमा उत्प्रेक्षा रूपक अतिशयोक्ति विशेषोक्ति विभावना अर्थान्तरन्यास पुनरावृत्ति
नवंबर(17-24)2025	पुनरावृत्ति
25 नवंबर,2025 onward	Examination
विशेष नोट: ---	विभागीय गतिविधि के रूप में (बीए तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों हेतु) स्वरचित पत्र वाचन तथा कालिदास आधारित किसी एक प्रश्न का व्याख्यान आयोजित किया जाएगा।
पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम (सीएलओ): इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद, शिक्षार्थी सक्षम होंगे:	महाकवि कालिदास एवं उनकी कृतियों में वर्णित सौंदर्य बोध को समझने में विद्यार्थी सक्षम होंगे। कालिदास के समय की परिस्थितियों सामाजिक जीवन मानवीय मूल्यों के बारे में अवगत होंगे। संस्कृत साहित्य को समझने की दिशा में प्रेरित होंगे। संस्कृत व्याकरण तथा अलंकार शास्त्र के अध्ययन के प्रति प्रेरित होंगे। संस्कृत साहित्य अति प्राचीन एवं विस्तृत है संस्कृत साहित्य का आरंभ वेदों से होता हुआ निरंतर गतिमान है पाठ्यक्रम की समाप्ति पर विद्यार्थी वैदिक साहित्य से परिचित होंगे।

डॉ सुखबीर सिंह

सहायक आचार्य संस्कृत


Principal
Rajiv Gandhi Govt. College
Saha(Ambala)

पाठ योजना

विषय संस्कृतम्

कक्षा बीए द्वितीय वर्ष

तृतीय सेमेस्टर ऐतिहासिक महाकाव्य एवं व्याकरण

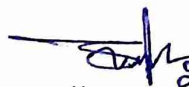
सत्र 2025- 26

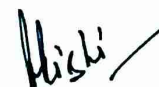
B23-SKT-301

अध्यापक का नाम: डॉ सुखबीर सिंह

मास	पाठ्यक्रम
जुलाई (22 -31) 2025	महाभारत यक्ष युधिष्ठिर संवाद। पाठ्यांश की सप्रसंग व्याख्या सार आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर)
अगस्त (01-14) 2025	महाभारत यक्ष युधिष्ठिर संवाद। पाठ्यांश की सप्रसंग व्याख्या सार आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर)
अगस्त (18-30) 2025	महाभारत यक्ष युधिष्ठिर संवाद। पाठ्यांश की सप्रसंग व्याख्या सार आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर) रामायण अयोध्या कांड रामायण अयोध्या कांड शत तमःसर्ग सरलार्थ
सितंबर (1-15)2025	विषय वस्तु संबंधित प्रश्न सार आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर) कक्षा परीक्षा
सितंबर(16-30) 2025	संस्कृत व्याकरण समास अव्ययीभाव तत्पुरुष समास बहुव्रीहि द्वंद समास
अक्टूबर (01-04)2025	मिड टर्म एग्जाम

मास	पाठ्यक्रम
अक्टूबर (6-18)2025	कृत प्रत्यय कत्वा तुमुन् प्यत् यत् क्त क्तवतु शतृ शानच् तव्य अनीयर
19-10-2025 से 26-10-2025	अवकाश
अक्टूबर (27-31)2025	लघुसिद्धांतकौमुदी प्रत्याहार सूत्र माहेश्वरसूत्र
नवंबर(1-15)2025 नवंबर(17-24)2025	प्रयोजना कार्य(असाइनमेंट) संख्यावाची संस्कृत शब्द । पत्र लेखन पुनरावृत्ति
25 नवंबर,2025 onward	Examination
विशेष नोट: ---	विभागीय गतिविधि के रूप में (बीए द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों हेतु) प्रत्याहार सूत्र वाचन तथा महाभारत यक्ष युधिष्ठिर संवाद आधारित किसी एक प्रश्न का व्याख्यान आयोजित किया जाएगा।
पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम (सीएलओ): इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद, शिक्षार्थी सक्षम होंगे:	महाभारत विश्व प्रसिद्ध महाकाव्य है। इसे पंचम वेद की संज्ञा दी गई है। महाभारत के वन पर्व में यक्ष युधिष्ठिर संवाद के माध्यम से धर्म अधर्म नीति अनीति इत्यादि का प्रश्न उत्तर के माध्यम से छात्रों को न्याय नीति संबंधी शिक्षा दी जाती है। रामायण लौकिक साहित्य का महत्वपूर्ण ग्रंथ है। रामायण भारतीय परंपरा का जीवंत ग्रंथ है इस इकाई में राम के गुण कार्य और उसके राष्ट्र प्रेम से छात्रों को अवगत करवाया जाता है व्याकरण के बिना भाषा अधूरी है संस्कृत व्याकरण का आदि ग्रंथ अष्टाध्यायी है जो वैज्ञानिक आधार रखता है प्रस्तुत घटक में समासों के माध्यम से छात्रों को भाषा का संक्षेपीकरण एवं सरल बोध करवाया जाता है। व्याकरण के आरंभ में माहेश्वर सूत्र है जो संस्कृत भाषा की वैज्ञानिक वर्णमाला कहलाती है। इसमें सभी वर्णों का समावेश भाषा वैज्ञानिक आधार पर किया गया है इससे छात्रों को वर्णमाला एवं उच्चारण दिशा में महत्वपूर्ण सहायता मिलती है। पत्र लेखन के माध्यम से छात्र संस्कृत भाषा में पत्र व्यवहार सीखते हैं उपर्युक्त प्रकार से पाठ्यक्रम की समाप्ति पर छात्र इन सभी सोपानों के बारे में अवगत होंगे।


 21.07.2025
 डॉ सुखबीर सिंह
 सहायक आचार्य संस्कृत


 Principal
 Rajiv Gandhi Govt. College
 Saha(Ambala)

पाठ योजना

विषय संस्कृतम्
प्रथम सेमेस्टर नीति साहित्य एवं व्याकरण
B23-SKT-101

बीए प्रथम वर्ष
सत्र 2025- 26
अध्यापक का नाम: डॉ सुखबीर सिंह

मास	पाठ्यक्रम
जुलाई (22 -31) 2025	हितोपदेश मित्र लाभ प्रस्तावना पाठ्यांश की सप्रसंग व्याख्या कथासार आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर)
अगस्त (01-14) 2025	हितोपदेश वृद्ध व्याघ्र पथिककथा पाठ्यांश की सप्रसंग व्याख्या कथासार आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर)
अगस्त (18-30) 2025	हितोपदेश वृद्ध व्याघ्र पथिककथा पाठ्यांश की सप्रसंग व्याख्या सार आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर)
सितंबर (1-15)2025	नीति शतक श्लोक संख्या एक से 30 व्याख्या श्लोकों का सरलार्थ एक सूक्ति की व्याख्या (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर) कक्षा परीक्षा
सितंबर(16-30) 2025	नीति शतक श्लोक संख्या एक से 30 व्याख्या श्लोकों का सरलार्थ एक सूक्ति की व्याख्या (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर) कक्षा परीक्षा
अक्टूबर (01-04)2025	मिड टर्म एग्जाम
अक्टूबर (6-18)2025	
	श्लोक संख्या 31 से 50 व्याख्या श्लोकों का सरलार्थ एक सूक्ति की व्याख्या (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर)

19-10-25 से 26-10-25 अक्टूबर (27-31)2025	अवकाश संस्कृत व्याकरण शब्द रूप राम कवि भानु पितृ लता अस्मद् विद्वस् राजन् तद् तीनों लिंगों में ,एक तीनों लिंगों में
नवंबर(1-15)2025	धातु रूप में भू हस् नम् गम् दृश् हन् कृ नी याच् वच् संधि अच् संधि हल् संधि विसर्ग संधि कंठस्थ दो श्लोकों का शुद्ध लेखन। प्रयोजना कार्य(असाइनमेंट) संधि अच् संधि हल् संधि विसर्ग संधि कंठस्थ दो श्लोकों का शुद्ध लेखन।
नवंबर(17-24)2025	पुनरावृत्ति
25 नवंबर,2025 onward	Examination
विशेष नोट :---	विभागीय गतिविधि के रूप में (बीए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों हेतु)स्वनाम परिचय तथा संस्कृत संख्यावाची शब्दों का प्रयोग आयोजित किया जाएगा।
पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम (सीएलओ): इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद, शिक्षार्थी सक्षम होंगे:	संस्कृत भाषा में ज्ञान की सरल मनोवैज्ञानिक विधियों के द्वारा छात्रों को बोध कराने के लिए अनेक ग्रंथ कहानी के रूप में लिखे गए जैसे पंचतंत्र हितोपदेश आदि इस घटक में हितोपदेश के मित्र लाभ प्रकरण से छात्रों को संस्कृत भाषा में प्रवेश करवाया जाता है ।नीति शतक भारतीय नीति शास्त्र तथा सुभाषित के रूप में जाना जाता है भर्तृहरि द्वारा रचित नीति शतक के प्रथम 50 श्लोकों के माध्यम से छात्रों को न्याय एवं नीति के समाज बोध की शिक्षा देने का प्रयास किया गया है संस्कृत भाषा में प्रवेश के लिए छात्रों को व्याकरण के प्रथम सोपान धातु रूप तथा शब्द रूपों का ज्ञान होना आवश्यक है इस घटक में छात्रों को सरल धातु रूपों से परिचय करवाया जाता है ताकि वे संस्कृत भाषा समझने में तत्पर हो सके भाषा में संधियों का प्रयोग परम आवश्यक है इस घटक में छात्रों को संस्कृत भाषा की संधियों का बोध करवाया जाता है ताकि वे भाषा को आसानी से समझ सकें क्योंकि संधि में पदों को अलग-अलग करके अर्थ को आसानी से जाना जा सकता है।उपर्युक्त प्रकार से पाठ्यक्रम की समाप्ति पर छात्र इन सभी सोपानों के बारे में अवगत होंगे।


Principal
Rajiv Gandhi Govt. College
Saha(Ambala)

२०२५ - २०२६

संस्कृतविषयः समवाय इत्यस्य रूपरेखा इदं प्रकारेण
वर्तते -

- १ दात्रप्रतिनिधि - रजनी २०२७ बी.ए. तृतीयवर्षम्
- २ उपदात्रप्रतिनिधि - निधि २००४ " " " "
- ३ PR HEAD (उपसचिव) - निधि २००१ बी.ए. द्वितीयवर्षम्
- ४ सचिव - कुसुम २०२१ बी.ए. द्वितीयवर्षम्
- ५ सचिव - रंजना बी.ए. प्रथमवर्षम्

प्र. शा. म. २५

Sy
Hishi